भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

01.04.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 6083 का उत्तर

पीपीपी मॉडल के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास

6083. श्री अनूप प्रधान वाल्मीकि:
श्री बिद्युत बरन महतो:
श्री प्रदीप कुमार सिंह:
श्री दिनेशभाई मकवाणा:
श्री खगेन मुर्मु:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के अंतर्गत पुनर्विकास के लिए चिह्नित रेलवे स्टेशनों का जोन-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) उन स्टेशनों का जोन-वार ब्यौरा क्या है जहां अब तक पुनर्विकास कार्य शुरू/पूरा हो चुका है;

(ग) स्टेशन पुनर्विकास परियोजनाओं के अंतर्गत प्रतिबद्ध और प्राप्त निवेश की कुल राशि का ब्यौरा क्या है; और

(घ) शेष स्टेशनों पर पुनर्विकास परियोजनाओं को पूरा करने के लिए निर्धारित समय-सीमा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): रेल मंत्रालय द्वारा दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास हेतु अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की गई है।

अब तक अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकास के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल में 15 स्टेशनों सहित 1,338 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है।

इस योजना में रेलवे स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उन्हें चरणों में उनका कार्यान्वयन करना शामिल हैं। प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मास्टर प्लान तैयार करना शामिल हैं:

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार
- रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण
- रेलवे स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, वाटर-बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/एयर कॉन्कोर्स की व्यवस्था
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैम्प की व्यवस्था
- प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/निर्माण और प्लेटफ़ॉर्म पर कवर की व्यवस्था
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क की व्यवस्था
- पार्किंग क्षेत्र, यातायात के विभिन्न साधनों का एकीकरण
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- एक्ज़ीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, भूसुदर्शनीकरण आदि की व्यवस्था।

इस योजना में दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधानों; आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध रूप से यथा व्यवहार्य गिट्टी रहित रेलपथ की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में रेलवे स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की संकल्पना भी की गई है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों के विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। अभी तक, 208 रेलवे स्टेशनों पर निर्माण-कार्य पूरे हो चुके हैं। अभी तक निम्नलिखित रेलवे स्टेशनों पर कार्य पूरे किए गए हैं:

ऐशबाग जं., अलनावर, अंब अंदौरा, अंबिकापुर, आमगांव, आनंदपुर साहिब, अनारा, कालडि के लिए अंगमालि, अयोध्या धाम जं., बादामी, बागलकोट, बहेड़ी, बैजनाथ पपरोला, बालाघाट, बलरामपुर, बंतावाला, बाराभूम, बारामती, बरेली सिटी, बारीपदा, बाड़मेर, बरपाली, बेगमपेट,

बेओहारी, भानुप्रतापपुर, भिलाई, भिंड, बिजनौर, बिमलगढ़, बोम्मिडी, बूंदी, भायखला, चालक्कुडि, चांदा फोर्ट, चंगनास्सरी, चेन्नै पार्क, छिंदवाड़ा, चिदंबरम, चिंचपोकली, चिन्नसेलम, चिरयिनकीझ, चुनार जं., कुन्नूर, कंबम, कटक, डाकोर, दौसा, डीग, डेरोल, देशनोक, देवलाली, धामपुर, धारवाड़, धुले, डोंगरगढ़, एलूरू, फतेहाबाद, फतेहपुर, फतेहपुर शेखावाटी, फरोक, गडग, गंगापुर सिटी, गोड्डा, गोधरा जंक्शन, गोगामेरी, गोकक रोड, गोला गोकर्णनाथ, गोमती नगर, गोवर्धन, गोविंदगढ़, गोविंदपुर रोड, गोविंदपुरी, हाफिजपेटा, हैबरगांव, हल्दिया, हल्दीबाड़ी, हापा, हरपालपुर, हाथरस सिटी, हाई-टेक सिटी, हिमायतनगर, होडल, ईदगाह आगरा जंक्शन, इज्जतनगर, जैसलमेर, जाम जोधपुर, जाम वनथली, जयचण्डी पहाड़ जं., जुन्नार देव, काकीनाडा टाउन जं., कल्याणी घोषपारा, कामाख्यागुड़ी, कनालुस जंक्शन, कराईकुडी जंक्शन, करमसद, करीमनगर, कटनी साउथ, केडगांव, केसिंगा, खैरथल, खलीलाबाद, खंभालिया, कोप्पल, कोसंबा जंक्शन, कुलित्तुरई, कुट्टीपुरम, लासलगांव, लिंबडी, लोहरदगा, लोणंद जंक्शन, मधुपुर जं., माहे, महुवा, मैलानी जं., मांबलम, मणप्पारै, मंडल गढ़, मंडावर महवा रोड, मंडी डबवाली, मंगलागिरी, मन्नारगुडी, माटुंगा, एम.सी.एस छतरपुर, मीठापुर, मोरप्पुर, मोरबी, मुक्तसर, मुनिराबाद, मूरी जंक्शन, मुर्तिजापुर जंक्शन, नैनपुर जंक्शन, नामक्कल, नंदुरा, नर्मदापुरम, नरवाना जं., नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, निडदवोलु जंक्शन, निलांबूर रोड, ओखा, ओरछा, पालिताना, पानागढ़, पनकी धाम, परप्पनंगाडि, परेल, परलाखेमुंडी, पीरपैंती, पिस्का, पुखरायां, पोल्लाच्चि जंक्शन, पोलूर, पोरबंदर, राजगढ़, राजमहल, राजुला जंक्शन, रामगुंडम, रामघाट हॉल्ट, रायनपाडु, सबौर, सहारनपुर जंक्शन, साहिबगंज, साहिबजादा अजीत सिंह नगर मोहाली, साहेबगंज, समखियाली, समलपट्टी, सांची, शंकरपुर, सरोना, सावदा, सिवनी, शहद, शाजापुर, शिवनारायणपुर, शोलावंदन, षोरणूर जंक्शन, श्रीधाम, सिद्धार्थ नगर, सिहोर जंक्शन, सिमुलतला, सिउरी, सोमेश्वर, श्री बाला ब्रह्मेश्वर जोगुलम्बा, श्रीरंगम, श्रीविल्लिपुत्तूर, सेंट थॉमस माउंट, सुल्लुरपेटा, सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छपिया, तालचेर, तामलुक, टनकपुर, तलश्शेरी, थावे, तिरुवारूर जंक्शन, तिरुवण्णामलै, तृप्पुणित्तुरा, तुनी, उदगमण्डलम, उझानी, उरकुरा, उत्राण, वडकारा, वडाला रोड, विदिशा, विन्धयाचल, वृद्धाचलम जंक्शन, वडक्कांचेरि, वारंगल।

अन्य रेलवे स्टेशनों पर भी विकास संबंधी कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं और इनमें से कुछ रेलवे स्टेशनों की प्रगति नीचे दी गई है:

- जलंधर छावनी स्टेशन: मुख्य प्रवेश स्टेशन भवन, द्वितीय प्रवेश स्टेशन भवन के संरचनात्मक कार्य, प्लेटफॉर्म सतह का सुधार, प्लेटफॉर्म शेल्टरों का संरचनात्मक कार्य, छत के माध्यम से संरचनात्मक कार्य और पैदल पार पुल और एयर कॉनकोर्स के संरचनात्मक कार्य पूरा हो गए है। मुख्य प्रवेश भवन, द्वितीय प्रवेश भवन, प्लेटफॉर्म शेल्टर, पैदल पार पुल, एयर कॉनकोर्स, संपूर्ण छत और परिचलन क्षेत्र के सुधार के लिए कार्य शुरू किए गए हैं।

- तिरुपति रेलवे स्टेशन: दक्षिण दिशा में नया द्वितीय प्रवेश स्टेशन भवन, 2 अदद एयर कॉनकोर्स और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के संरचनात्मक कार्य पूरे हो गए हैं। दक्षिण दिशा में नया द्वितीय प्रवेश स्टेशन भवन और एयर कॉनकोर्स, उत्तर दिशा में स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, लिफ्ट और एस्केलेटर के कार्य शुरू किए गए हैं।

- नेल्लूर स्टेशन: पूर्व और पश्चिम दोनों दिशाओं के स्टेशन की चिनाई और प्लास्टर के संरचनात्मक कार्य पूरे हो गए हैं। पूर्व और पश्चिम दोनों भागों के स्टेशन भवन के सबवे विस्तार, पार्किंग, पानी की टंकी, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और एयर कॉनकोर्स के परिष्करण कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- बैंगलोर कैंटोंमेंट स्टेशन: दक्षिण की ओर डायवर्जन रोड, प्रशिक्षण केंद्र, उत्तर की ओर छात्रावास, इलेक्ट्रिक सबस्टेशन भवन के कार्य पूरे हो गए हैं। दक्षिण दिशा की ओर का स्टेशन भवन, उत्तर दिशा की ओर का स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र और पैदल पार पुल के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- कोटा जंक्शन स्टेशन: अग्र भाग का प्रस्थान हॉल, अग्र भाग का आगमन हॉल, पिछले भाग के स्टेशन भवन के संरचनात्मक कार्य पूरे गए हैं। अग्र भाग का प्रस्थान हॉल, पिछले भाग

का स्टेशन भवन, एयर कॉनकोर्स, संपूर्ण छत कार्य, और परिचलन क्षेत्र के विकास के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- **भुवनेश्वर स्टेशन: पूर्वी और पश्चिम दिशा का स्टेशन भवन, एयर कॉनकोर्स के संरचनात्मक कार्य पूरे हो गए हैं। स्टेशन के पूर्व और पश्चिम दिशा की ओर का उत्थापित ड्राइववे, ऊपरी पैदल पुल के विस्तार, प्लेटफॉर्म शेल्टर का नया कार्य शुरू किया गया है। पूर्व और पश्चिम दिशा की ओर का नया स्टेशन भवन, एमईपी (यांत्रिक, बिजली एवं प्लंबिंग) का कार्य, एचवीएसी (तापन, वेंटिलेशन और एयर कंडिशनींग) और एस्केलेटर्स के परिष्करण कार्य शुरू किए गए हैं।**

इसके अलावा, भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत और चलायमान प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य सापेक्ष प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकता के अनुसार शुरू किए जाते हैं। रेलवे स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्य स्टेशन की कोटि/दशा/यातायात संभलाई आदि के आधार पर निष्पादित किए जाते हैं।

रेल मंत्रालय द्वारा स्टेशनों के विकास के लिए विभिन्न मॉडलों का पता लगाया गया है, जिनमें सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) शामिल है। मध्य प्रदेश राज्य में रानी कमलापति स्टेशन को पहले ही सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के तहत विकसित किया गया और कमीशन किया जा चुका है।

सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत पुनर्विकास के लिए चिह्नित किए गए 15 स्टेशनों में से विजयवाड़ा स्टेशन के पुनर्विकास के लिए बोली लगाई गई है। अन्य 14 स्टेशन मास्टर प्लानिंग और वित्तीय मॉडलिंग के विभिन्न चरणों में हैं।

रानी कमलापति स्टेशन के पुनर्विकास के लिए, रियायतकर्ता द्वारा 115 करोड़ रुपए का निवेश किया गया था। इसके अलावा, रियायतकर्ता को दिए गए अतिरिक्त निर्मित क्षेत्र के लिए रेलवे द्वारा 47.46 करोड़ रुपए की राशि प्राप्त हुई है। इसके अतिरिक्त, रियायतकर्ता से राजस्व हिस्सेदारी के रूप में 2.37 करोड़ रुपए की राशि प्राप्त हुई है।

इसके अलावा, रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन जटिल स्वरूप का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा अंतर्ग्रस्त होती है और इसके लिए दमकल विभाग की स्वीकृति, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी साधनों (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, बिजली/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) का स्थानांतरण अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों के परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के नजदीक किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य को पूरा करने के समय को प्रभावित करते हैं। अतः, इस चरण में कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती।

******